भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

14.12.2022 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1250 का उत्तर

दूसरी पीढ़ी की वन्दे भारत रेलगाड़ियां

1250. श्री वाई.एस. अविनाश रेड्डी:
श्री कोमती रेड्डी वेंकट रेड्डी:
श्री मन्ने श्रीनिवास रेड्डी:
श्री विजयकुमार उर्फ विजय वसंत:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने बेहतर यात्री सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था के साथ आने वाली दूसरी पीढ़ी की वन्दे भारत रेलगाड़ियों का परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इन रेलगाड़ियों का नियमित उत्पादन कब तक प्रस्तावित किया गया है और इस संबंध में कितनी प्रगति हुई है;

(ग) क्या रेलवे ने अगस्त 2023 तक ऐसी 75 रेलगाड़ियों को चलाने का लक्ष्य रखा है जो परीक्षण के दौरान 180 किमी प्रति घंटे की गति तक पहुंच चुकी हैं;

(घ) यदि हां, तो क्या यह मेक-इन-इंडिया पहल के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है और इससे उच्च गति वाली रेलगाड़ियों के लिए आवश्यक पहियों और अत्यधिक मजबूती वाली रेल पटरियों का घरेलू उत्पादन शुरू करने की रूपरेखा तैयार हुई है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है; और

(च) क्या एक वंदे भारत रेलगाड़ी के उद्घाटन के लगभग एक सप्ताह बाद गैरतपुर और वटवा स्टेशनों के बीच वह रेलगाड़ी भैंसों के झुंड से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दूसरी पीढ़ी की वन्दे भारत रेलगाड़ियों के संबंध में दिनांक 14.12.2022 को लोक सभा में श्री वाई.एस. अविनाश रेड्डी, श्री कोमती रेड्डी वेंकट रेड्डी, श्री मन्ने श्रीनिवास रेड्डी, श्री विजयकुमार उर्फ विजय वसंत के अतारांकित प्रश्न संख्या 1250 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): जी हां। नई और आशोधित वंदे-भारत संस्करण 2.0 रेलगाड़ियों को विस्तृत परीक्षणों, कार्य-निष्पादन तथा इसकी उप-प्रणालियों की संरक्षा जांच के बाद संवर्धित संरक्षा विशिष्टताओं, बेहतर राइड इंडेक्स और यात्री सुविधाओं के साथ शुरु किया गया है।

अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन(आरडीएसओ)/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित परीक्षण किए गए थेः-

i. **मेनलाइन रेलपथों पर 115 किलोमीटर प्रति घंटा और राजधानी रेलपथों पर 180 किलोमीटर प्रति घंटा की गति पर कंपन परीक्षण।**
ii. **160 किलोमीटर प्रति घंटा पर आपातकालीन ब्रेकिंग दूरी परीक्षण और ब्रेक प्रणाली का कार्य-निष्पादन जांच।**
iii. **इलेक्ट्रोमैगनेटिक इंटरफरेंस (ईएमआई)/इलेक्ट्रोमैगनेटिक कम्पैटिबिलिटी(ईएमसी), रेडियो फ्रिक्वेंसी इंटरफरेंस (आरएफआई) और पेसमेकर जांच।**
iv. **शोर और वाइब्रेशन जांच।**
v. **प्रणोदन और रेलगाड़ी नियंत्रण प्रणाली की जांच।**
vi. **आग एवं धुंआ का पता लगाने की जांच।**
vii. **भारत सरकार के विद्युत महानिरीक्षक द्वारा स्वीकृति।**
viii. **मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त(सीसीआरएस)/नागर विमानन मंत्रालय द्वारा विस्तृत संरक्षा निरीक्षण और 180 किलोमीटर प्रति घंटा पर चालन परीक्षण।**
ix. **प्रोटोटाइप रेलगाड़ी की अनिवार्य संरक्षा और परिचालन परीक्षण के पश्चात्, रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में वंदे भारत रेलगाड़ी सेट नई डिजाइन की प्रणोदन प्रणाली और डिब्बों के साथ शुरू करने की मंजूरी दी है।**

(ख) और (ग) इंटीग्रल कोच फैक्ट्री(आईसीएफ)/चेन्नई ने दो वंदे भारत रेलगाड़ियां जो वर्ष 2019 से सेवा में है, उनके अलावा नवंबर, 2022 तक वंदे भारत वर्जन दो(2) रेलगाड़ियों के नए और बेहतर संस्करण के तीन(3) रेक पहले ही तैयार कर लिए हैं। सितंबर, 2022 से आईसीएफ द्वारा वंदे भारत संस्करण 2 का नियमित उत्पादन शुरू किया गया है।

वर्ष 2022-23 के रेल डिब्बा उत्पादन कार्यक्रम में पैंतीस (35) रेकों और वर्ष 2023-24 के रेल डिब्बा उत्पादन कार्यक्रम में सड़सठ(67) रेकों का उत्पादन कार्यक्रम जारी किया गया है। बहरहाल, वास्तविक उत्पाद संबंधित कारकों की आपूर्ति श्रृंख्ला पर निर्भर करता है, जिसे तेजी से विकसित किया जा रहा है।

(घ) और (ङ): पहियों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास में, 20 वर्ष की अवधि के लिए रेलवे को विभिन्न चल स्टॉक के लगभग 15, 40,000 पहियों के विनिर्माण और आपूर्ति के लिए सुविधाएं लगाने के लिए प्रत्याशित विक्रेताओं से बोलियों के लिए निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा मेक-इन-

इंडिया के अतंर्गत आमंत्रित की गई है जिसके 60% से अधिक स्थानीय सामग्री वाले श्रेणी-1 के रेलइंजन आपूर्तिकर्ता ही पात्र हैं। दिनांक 24.01.2023 को निविदा खोली जानी है।

(च): नए और आशोधित वंदे-भारत संस्करण 2.0 का पहला रेक दिनांक 30.09.2022 को पश्चिम रेलवे में गांधीनगर कैपिटल से मुंबई सेंट्रल तक शुरू किया गया था और इसे दिनांक 01.10.2022 से नियमित सेवा के रूप में चलाया जा रहा है। गैरतपुर और वटवा मंडल के बीच दिनांक 06.10.2022 को मवेशी टकराने की घटना रिपोर्ट की गई थी। इस घटना के कारण रेल डिब्बा सं. 226430/डीटीसी के फायबर रिइंफोर्सड पॉलीमर (एफआरपी) कपलर कवर और ब्रैकेट को मामूली नुकसान हुआ था। इस रेलगाड़ी से आगे यात्रा बिना किसी समस्या के पूरी की गई थी। आगे की रेलगाड़ी सेवाओं में बिना बाधा उत्पन्न किए फायबर रिइंफोर्सड पॉलीमर कपलर कवर और ब्रैकेट की मुंबई सेंट्रल(एमएमसीटी) डिपो में मरम्मत की गई थी।

******